स्त्री अध्ययन विभाग में शैक्षणिक संवाद की चतुर्थ कड़ी

स्त्री अध्ययन विभाग में **शैक्षणिक संवाद की चतुर्थ कड़ी** के अंतर्गत दिनांक 25 नवंबर, 2016 (शुक्रवार) को

अपराह्न 03:00 बजे **सुश्री असीमा भट्ट**, सुप्रसिद्ध अभिनेत्री, मुंबई का **'नाटक में महिलाएं (Women in Theater)'** विषय पर संस्कृति विद्यापीठ के गुरुम जाशुवा सभागार में व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्वागत वक्तव्य में श्री चरनजीत ने सुश्री असीमा भट्ट का परिचय देते हुए कहा कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD), नई दिल्ली से अभिनय में शिक्षा प्राप्त सुश्री असीमा भट्ट, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की ऑनलाइन पत्रिका हिंदी समय डॉट कॉम एवं देश के विभिन्न हिंदी समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में कविता, कहानी, संस्मरण तथा लेख भी लिखती रहतीं हैं। इनका एकल नाटक द्रौपदी एवं तलवार (2015) फ़िल्म में अभिनय काफी चर्चित है। सुश्री असीमा भट्ट ने अपने वक्तव्य में बताया की अभिनय का क्षेत्र महिलाओं के लिए वर्जित रहा है और महिलाओं ने अपने संघर्ष से इसमें जगह बनाई है। आरंभ में रंगमंच एवं फ़िल्मों में महिलाओं के किरदार पुरुषों द्वारा ही निभाएं जाते थे, काफी समय के बाद महिलाओं ने इस विद्या में अपनी जगह बनाई है। स्वतंत्रता आंदोलन में रंगकर्मियों ने अपने इस विद्या के माध्यम से देश में क्रांति की मशाल जलाई। उन्होंने हेनरिक इब्सन (Henrik Ibsen) के 'अ डॉल हाउस' (A Doll's House) नाटक की 'नोरा हेलमर' (Nora Helmer) तथा मोहन राकेश के 'आधे अधूरे' नाटक की 'सावित्री' के पात्रों में अंतर्संबंध स्थापित करते हुए बताया कि दोनों पात्र वैवाहिक संबंधों में घर के अंदर अपनी जगह तलाश रहें हैं।

अपने वक्तव्य अंत में असीमा जी ने श्रोताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों को अपने अनुभवी उत्तरों से संतुष्ट किया। कार्यक्रम के अंत में श्री चरनजीत ने स्त्री अध्ययन विभाग की तरफ से मुख्य वक्ता सुश्री असीमा भट्ट एवं सभागार में उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।